शुक्रवार

13 मार्च 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 48
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

खनन खेल में फंसी चौकी, सब सस्पेंड

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अवैध खनन से जुड़े कथित लेनदेन का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने झबरेड़ा थाना क्षेत्र की इकबालपुर पुलिस चौकी के चौकी प्रभारी (दरोगा) सहित पूरे स्टाफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो में कथित तौर पर अवैध खनन से जुड़े लेनदेन और चौकी प्रभारी से संपर्क कराने की बातचीत सामने आई है। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और प्रारंभिक जांच के आधार पर यह सख्त कार्रवाई की गई।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि शुरुआती जांच में पुलिस कर्मियों की संभावित संलिप्तता के संकेत मिलने पर पूरी चौकी के स्टाफ को निलंबित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पूरे मामले की विस्तृत जांच के लिए एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट

आने के बाद आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि अवैध खनन या किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता पाए जाने पर कठोर कदम उठाए जाएंगे। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में उपनिरीक्षक नवीन सिंह चौहान (चौकी प्रभारी इकबालपुर), हेड कांस्टेबल विरेन्द्र शर्मा, हेड कांस्टेबल हरेन्द्र, कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल देवेश सिंह तथा कांस्टेबल प्रदीप शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट कहा है कि राज्य में अवैध खनन, भ्रष्टाचार या किसी भी प्रकार की अनियमितता को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर है, यदि वही अपने कर्तव्यों में लापरवाही या अनुचित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए तथा दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

रसोई गैस को लेकर विधानसभा में हंगामा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सदन में बजट पर चर्चा के साथ कई विभागों के बजट पारित होने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके साथ ही आज विनियोग विधेयक भी पारित

❑सदन के बाहर एलपीजी गैस को लेकर किया प्रदर्शन
❑सदन में प्रदेश सरकार के जवाब से विपक्ष असंतुष्ट

किया जा सकता है और सत्र के अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने की संभावना भी जताई जा रही है।

सत्र शुरू होते ही सदन में विपक्ष ने अवैध खनन का मुद्दा उठाया, लेकिन सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से वाक आउट किया। विपक्ष ने कहा पीठ से जब नियम 310 पर विनिश्चय

दिया गया तो सरकार चर्चा करने से क्यों भाग रही है। प्रदेशभर में एलपीजी गैस के लिए लाइनें लग रही हैं। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालकों को एलपीजी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। पक्ष व विपक्ष के बीच बहस होने से सदन की कार्यवाही 45 मिनट के स्थगित हुई। संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को एलपीजी की कालाबाजारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि भराड़ीसैंण में बजट सत्र के पांचवें दिन आज फिर एलपीजी गैस को लेकर कांग्रेसियों का धरना जारी है। कांग्रेसी नेता सदन के अंदर और कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रसोई गैस को लेकर कांग्रेसी विधानसभा की सीढ़ियों पर बैठ धरना दे रहे हैं। विधानसभा सत्र के चौथे दिन बृहस्पतिवार को भी सदन में एलपीजी आपूर्ति के मुद्दे पर हंगामा हुआ।

दून वैली मेल

संपादकीय

सिलेंडर पर संग्राम

रसोई गैस का मुद्दा क्योंकि हर आदमी की पेट की भूख से जुड़ा है इसलिए हर आदमी का इसे लेकर सतर्कता बरतना जरूरी है। आप और हम सभी होश संभालने से सुनते चले आए हैं 'भूखे भजन न होय गोपाला'। इजरायल अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद रिफाइनरियों पर हुई बमबारी और होर्मुज स्टेट जो कि तेल-गैस आयात का सबसे प्रमुख रास्ता है, बंद किए जाने से भारत ही नहीं विश्व के तमाम देशों में तेल और गैस के संकट की खबरें तो चर्चाओं के केंद्र में आ ही रही है इसके बीच अब सरकार द्वारा राज्य सरकारों को निर्देश दिए गए हैं कि अगर गैस नहीं है इस तरह की अफवाह फैलाने की कोई कोशिश करें तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए? भले ही सरकार द्वारा अभी इस बात के दावे किए जा रहे हो कि देश में तेल और गैस का कोई संकट नहीं है लेकिन सरकार के दिशा निर्देशों के बाद ही 25 दिन बाद ही अगला सिलेंडर बुक करने के निर्देश क्यों दिए गए हैं। लोगों को अब गैस की बुकिंग कराना मुश्किल हो गया है। बुकिंग के नंबर मिलने मुश्किल हो गए हैं तकनीकी खराबी का हवाला बार-बार दिए जाने से लोग परेशान हैं ऊपर से अब उन पर यह पाबंदी भी लगाई जा रही है कि अगर यह कहा कि घर में गैस नहीं है तो इसे अफवाह माना जाएगा और कार्रवाई भी होगी। अगर गैस की कमी नहीं है तो फिर संसद पर हमारे सांसद सिलेंडर के प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं। सरकार द्वारा चूल्हा जलाने पर पहले ही पाबंदी लगा दी गई है और शहरों में तो वैसे भी कोई चूल्हा जलाता ही नहीं है। अगर गैस नहीं होगी तो क्या लोग भूखे मरेंगे? देश के तमाम शहरों से खबरें आ रही है कि तमाम होटल, ढाबे व रेस्टोरेंट तथा स्ट्रीट फूड आउटलेट बंद होते जा रहे हैं क्योंकि गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं इन्हें चलाने वालों का कहना है कि अब ब्लैक में भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। जबकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का कहना है कि यह पैनिक क्राइसिस है लोगों में इस तरह की अफवाह फैलाई जा रही है कि गैस का संकट है इसलिए लोग बिना जरुरत के भी गैस बुक कर रहे हैं पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता ने प्रेस वार्ता में कहा है कि देश में 25000 से अधिक गैस वितरक है लेकिन कहीं से भी यह शिकायत नहीं मिली है कि गैस की कमी हो रही है केंद्र का यह भी कहना है कि कुछ लोग कृत्रिम संकट का प्रचार कर पैनिक पैदा कर रहे हैं तथा स्टॉक कर रहे हैं जिससे गैस की ब्लैकमेलिंग हो सके। अगर केंद्र सरकार की बात ही सही है कि गैस की कोई किल्लत नहीं है तो फिर होटल रेस्टोरेंटों को बंद क्यों करना पड़ रहा है और क्यों शहर-शहर लोग रात के अंधेरे में ही गैस सिलेंडर के लिए एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी कतारे लगाकर खड़े हैं। यह हो सकता है कि इस भीड़ में कुछ लोग वह भी हो जो संभावित संकट के कारण एक-दो सिलेंडर का स्टॉक भी रखना चाहते हैं लेकिन जिनके घर वास्तव में चूल्हा जलने का संकट है या जिनके परिवार फूड कारोबार पर निर्भर है या वह जिन्हें बाहर खाने पर निर्भरता है वह बिचारे कहां जाएं यह भी एक अहम सवाल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर यह युद्ध बहुत लंबा चला तो यह संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

नगर आयुक्त से की लघु व्यापारियों की समस्या के निदान पर विशेष चर्चा

संवाददाता

हरिद्वार। नए नियमों और योजनाओं के बारे में नगर आयुक्त नंदन कुमार से लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने विशेष चर्चा की।

आज यहां उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के अनुरूप उत्तराखंड शासन द्वारा रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के व्यवसाय के लिए बनाए गए नए नियमों और योजनाओं के बारे में नगर आयुक्त नंदन कुमार से लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने साथियों सहित नगर निगम पहुंचकर नगर आयुक्त कार्यालय पर नगर आयुक्त नंदन कुमार से विशेष चर्चा उत्तराखंड शासन के नए नियमों वह योजनाओं की नियमावली सौंपी साथ ही पूर्व में फेरी समिति के बैठक के लिए गए निर्णयों पर बिंदुवार चर्चा कर क्रियान्वन की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर नगर आयुक्त नंदन कुमार ने लघु व्यापारियों को आश्वासन देते हुए कहा वर्ष 2026 के नगर निगम प्रशासन द्वारा जिन रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को क्षेत्र वाई चलती फिरती दिल्ली के लाइसेंस दिए गए हैं उन्हें सभी को कारोबार की अनुमति के साथ जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन को शीघ्र ही पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जाएगा और दो नए वेंडिंग जोन जिसमें दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग के नजदीक दूसरा भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर तक के वेंडिंग जोन का सौंदर्यकरण के साथ बिजली पानी सीसीटीवी कैमरे चौकीदार इत्यादि मूलभूत सुविधाओं देने के लिए पत्रावली गतिमान है और कुंभ मेला प्रशासन द्वारा नए सेक्टर घोषित हो जाने के प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना के तहत योजनाबद्ध तरीके से मेला क्षेत्र में भी वेंडिंग जोन बनाए जाने पर विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा नगर निगम प्रशासन द्वारा अतिरिक्त नए दो नए वेंडिंग जोन बनाए जाने कि इस योजना का हम नगर निगम प्रशासन का आभार प्रकट करते हैं उन्होंने कहा कि रेलवे रोड सहित सभी 60 वार्डों में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे कराकर फल फ्रूट सब्जी रोजमर्रा की वस्तुओं को आम जनता में उपलब्ध कराने के लिए छोटे वेंडिंग जोन बनाया बनाए जाने से काफी तादात में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर लघु व्यापारियों को सरकार के संरक्षण में स्वरोजगार दिए जाने के के लिए इच्छा शक्ति के साथ नगर निगम प्रशासन को आगे बढ़ना होगा।

नगर निगम पहुंचकर नगर आयुक्त के कार्यालय पर नगर आयुक्त नंदन कुमार से विस्तारिक चर्चा करते हैं फेरी समिति सदस्य राजकुमार, सुमन गुप्ता, आशा कश्यप, सुनील कुकरेती, लालचंद, कपिल कुमार, विजय गुप्ता, धर्मपाल, सोनू, भोला यादव, चंदन रावत, मनीष, रिंकू, कामिनी मिश्रा, ललिता, रेखा, बबीता, सीमा, सुनीता, आजम अंसारी, कामिल, नईम आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

ऑपरेशन स्माइलः संयुक्त कार्यवाही में दो गुमशुदा महिलाएं बरामद

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। आपरेशन स्माइल टीम व पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए दो गुमशुदा महिलाओं को सकुशल बरामद कर उन्हे परिजनो की सुर्पदगी में दे दिया गया है। जिस पर परिजनों द्वारा आपरेशन स्माइल टीम व पुलिस का आभार व्यक्त किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 9 मार्च को सोमेश्वर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली सोमेश्वर में तहरीर दी गई कि उसकी बहू बिना बताए घर से कहीं चली गई है। उक्त सूचना पर कोतवाली सोमेश्वर में गुमशुदगी दर्ज की

गई। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोमेश्वर मदन मोहन जोशी तथा प्रभारी महिला कोतवाली/प्रभारी स्माइल टीम श्रीमती जानकी भण्डारी के नेतृत्व में कोतवाली सोमेश्वर पुलिस व ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा सुरागरसी-पतारसी करते हुए गुमशुदा महिला को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

वहीं दूसरी ओर बीती 8 मार्च को देघाट क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाना देघाट में तहरीर दी गई कि उसकी पुत्री 7 मार्च को बिना बताए घर से कहीं चली गई है। उक्त सूचना के आधार पर थाना देघाट में गुमशुदगी दर्ज की गई। प्रभारी महिला कोतवाली/प्रभारी स्माइल टीम श्रीमती जानकी भण्डारी तथा प्रभारी थानाध्यक्ष देघाट गंगा राम के नेतृत्व में देघाट पुलिस टीम व ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा सुरागरसी-पतारसी करते हुए गुमशुदा युवती को बीती शाम जनपद बागेश्वर से सकुशल बरामद कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

नशीले कैप्सूलों के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशीले कैप्सूलों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने झील तिराहे के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 168 नशीले कैप्सूल बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम गुलफाम अली उर्फ पीटर पुत्र अमीर अहमद निवासी बडा भारूवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

ड्राइवर कार लेकर फरार

संवाददाता

देहरादून। ड्राइवर के कार लेकर फरार होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीन अपार्टमेंट ग्राउण्ड फलोर निवासी अवनीश सिंह बरार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक शादी समारोह में भाग लेने के लिए गया था। उसने अपनी कार पार्किंग में खडी कर दी तथा उसका चालक मोहब्बेवाला निवासी सौरभ कार में मौजूद था। जब वह वापस आया तो उसकी कार व चालक दोनों अपने स्थान से गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साप्ताहिक परेड़ के दौरान एसएसपी ने परखी जवानों की फिजिकल फिटनेस

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने साप्ताहिक परेड के दौरान जवानों की फिजिकल फिटनेस को परखा तथा मैस में सफाई व्यवस्था की सराहना करते हुए कर्मचारियों के भोजन की गुण्वत्ता को उच्च कोटी का रखने के निर्देश दिये।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित शुकवार की परेड का निरीक्षण किया गया। परेड के दौरान एसएसपी द्वारा अधीनस्थ अधिकारियो/कर्मचारियों को दौड़ते हुए उनकी फिजिकल फिटनेस को परखा गया तथा उन्हे शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त दुरूस्त रहने के लिये प्रेरित किया गया। परेड़ के दौरान घुडसवार दस्ते का निरीक्षण करते हुये उनके द्वारा दस्ते में उपलब्ध अश्वों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी, साथ ही घुडसवार दस्ते में नियुक्त कार्मिकों को अश्वों के खानपान एवं रहन सहन के साथ-साथ अश्वों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देश दिये गये। परेड समाप्ति के उपरान्त पुलिस लाइन परिसर के भ्रमण के दौरान पुलिस लाइन में कर्मचारियों के लिये तैयार किये गये अत्याधुनिक भोजनालय में सफाई व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए एसएसपी द्वारा सफाई व्यवस्था को इसी प्रकार चुस्त-दुरूस्त रखने तथा मैस में भोजन की गुणवता को उच्च कोटी की रखते हुए साप्ताहिक चार्ट के अनुरुप ही पुलिस कर्मियों को पौष्टिक भोजन परोसने हेतु निर्देशित किया गया। लाइन परिसर के भ्रमण के दौरान उनके द्वारा पुलिस लाइन में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए पुलिस जन कल्याण से जुडे कार्यों में तेजी लाने तथा निर्माण कार्यों में लगी कार्यदायी संस्था से लगातार समन्वय बनाते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को उच्च कोटी की रखने के निर्देश दिये गये।

चार किमी पोखरी-चोपड़ा सड़क का चार साल से नहीं हुआ निर्माण

चमोली(आरएनएस)। चार साल से चार किमी पोखरी-नखोलियाना-चोपड़ा सड़क का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने लोनिवि से जल्द से जल्द कार्य शुरू करने की मांग की। मांग पूरी न होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। सड़क संघर्ष समिति के अध्यक्ष मयंक वैष्णव, कुंवर सिंह चौधरी, मधुसूदन चौधरी, राजेंद्र कोठियाल, रमेश कुंवर, शिवराज, महिधर पंत, संतोष चौधरी आदि ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद आठ किमी लंबी पोखरी-नखोलियाना-चोपड़ा सड़क को वर्ष 2014-15 में स्वीकृति मिली थी। लोनिवि ने 2020-21 में चोपड़ा से कटिंग कार्य शुरू किया और नखोलियाना तक करीब चार किमी कटिंग के बाद काम बंद कर दिया गया। ऐसे में सड़क का जो हिस्सा बनाया गया वह किसी सड़क से जुड़ नहीं पाया। ग्रामीणों ने फिर आंदोलन किया और इसके बाद पोखरी-नखोलियाना तक चार किमी सड़क को स्वीकृति मिली। एक माह पहले इसका टेंडर भी जारी कर दिया गया लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। यह सड़क बन जाए तो चोपड़ा, नखोलियाना, किमगैर खड़की, बसुधरा, गनियाला, चमेठी खड़की और धौड़ा सहित कई गांवों को लाभ मिले। वहीं मामले में लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजकुमार का कहना है कि इस सड़क को लेकर टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

छात्रावास से पशु उपचार केंद्र हटाने के लिए क्रमिक अनशन जारी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। राजकीय इंटर कॉलेज फाटा के छात्रावास में संचालित अस्थायी पशु उपचार केंद्र को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग के लिए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का क्रमिक अनशन दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। आंदोलन में दूसरे दिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अनशन स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी एकमात्र मांग विद्यालय के छात्रावास भवन को जल्द खाली कराने की है। प्रधान रविग्राम रामेश्वर प्रसाद जमलोकी ने बताया कि जब तक छात्रावास भवन को खाली नहीं कराया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। क्षेत्र पंचायत सदस्य जामू आरती देवी ने कहा कि मातृशक्ति को बच्चों के लिए अपने कार्य छोड़कर आंदोलन में शामिल होना पड़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं मजदूर संघ संरक्षक अवतार सिंह नेगी ने कहा कि छात्रावास में पशु उपचार केंद्र संचालित करना गलत है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजाराम सेमवाल, ग्राम प्रधान बड़ासू विमला देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य योगिता देवी, पूर्व प्रधान पिंकी देवी, विमला देवी, वंदना देवी, चरण सिंह मेहरा, अमित सेमवाल आदि मौजूद रहे।

धर्म और गोसंरक्षण के मुद्दे पर चलेगा जनजागरण अभियान

चमोली(आरएनएस)। धर्म और गोसंरक्षण के लिए ज्योतिर्मठ के ज्योतिषपीठ में बुधवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कहा गया कि यदि शीघ्र उत्तर प्रदेश सरकार धर्म और गोसंरक्षण के मुद्दे पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती तो देशभर में जनजागरण और व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। ज्योतिषपीठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिन में गाय को राज्य माता घोषित करने, गोहत्या को पूरी तरह बंद करने का संदेश दिया था। मगर समय पूरा होने के बाद भी कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर बुधवार को इस मुद्दे पर धर्म सभा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने इसको लेकर अपने-अपने विचार रखे। सभा में धर्म, संस्कृति, राष्ट्र हित की रक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान शंकराचार्य मठ के व्यवस्थापक स्वामी विष्णुप्रियानंद महाराज, जगदीश उनियाल, ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम सिंह फर्स्वाण, अधिवक्ता दिलबर फरस्वाण, दिगंबर बिष्ट, लक्ष्मण बुटोला, आशीष फरस्वाण आदि मौजूद रहे।

केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ की नारेबाजी

चमोली(आरएनएस)। महिला दिवस के अवसर पर देहरादून के गांधी पार्क से शुरू हुई सीपीआई (एम) की जन संघर्ष जत्था रैली बुधवार को थराली पहुंची। जहां कामगार संगठनों, भूमिहीन, आंगनबाड़ी, आशा, भोजनमाता, ग्राम प्रहरी सहित कई संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रैली का स्वागत किया और केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में नारेबाजी की। तहसील परिसर के पास स्थित मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए पोलित ब्यूरो के सदस्य कामरेड बीजू कृष्णनन ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पूरे देश का निजीकरण कर पूंजीपतियों को बेच रही है। मानदेय के नाम पर महिलाओं का शोषण कर रही है। बेरोजगारी से बढ़ता पलायन, महिला हिंसा, बिगड़ती कानून व्यवस्था से राज्य के लोग त्रस्त हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर 24 मार्च शहादत दिवस पर रामलीला मैदान में विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें जनविरोधी, सांप्रदायिक व कॉरपोरेट नीतियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करेंगे। इसके बाद हुई पत्रकार वार्ता में सीपीआई (एम) के राष्ट्रीय पोलित ब्यूरो बीजू कृष्णनन ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगार चरम पर है।

पौड़ी : घरेलू रसोई गैस की नहीं किल्लत, पर्याप्त हैं सिलिंडर

पौड़ी(आरएनएस)। व्यावसायिक गैस सिलिंडरों के दाम बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने से होटल व्यावसायियों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि पूर्ति विभाग घरेलू गैस सिलिंडरों की पर्याप्त मात्रा में होने का दावा कर रहा है।

होटल व्यावसायी संजू राणा, राजेश नेगी, मो. रकीब आदि ने बताया कि पौड़ी स्थित गैस एजेंसियों से व्यावसायिक गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहे। व्यावसायिक सिलिंडरों के दाम बढ़ने के बाद भी बुकिंग के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित होने से आने वाले दिनों में व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है।

संजू राणा ने बताया कि दो- तीन दिन के लिए ही सिलिंडर बचा हुआ है। ऐसे में होटल को बंद करना ही विकल्प बच जाएगा। घरेलू गैस 960 रुपये प्रति सिलिंडर दिया जा रहा है। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि पौड़ी में घरेलू गैस सिलिंडर की कोई किल्लत नहीं है। शहर में फिलहाल साढ़े आठ हजार घरेलू गैस सिलिंडरों का भंडारण है जबकि व्यावसायिक गैस के लिए एजेंसियों के साथ बैठक बुलाई गई है। जल्द ही समाधान भी निकाला जाएगा।

होटल कारोबारी गौरव भाटिया ने बताया कि होटलों में 19 किलो के व्यावसायिक सिलिंडरों का उपयोग होता है। सिलिंडर की आपूर्ति बंद होने से कारोबार प्रभावित होने लगा है। यही स्थिति रही तो 15 मार्च के बाद होटल कारोबारियों को अपना काम बंद करना पड़ेगा। कोटद्वार ऑनलाइन बुकिंग बंद है।

गैस एजेंसी के मैनेजर अमन रावत ने बताया कि व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। एजेंसी के पास महज पांच किलो के गैस सिलिंडर ही उपलब्ध हैं। घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति भी पिछले दस दिनों में काफी प्रभावित हुई है। तीन मार्च की बुकिंग के घरेलू गैस सिलिंडरों का वितरण बुधवार को किया गया। दह मार्च तक की बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को बृहस्पतिवार को गैस सिलिंडरों की आपूर्ति की जाएगी। अभी तक तीन गाड़ियां ही आई हैं।

उधर, भाबर गैस एजेंसी के मैनेजर अर्जुन सिंह गुसाईं ने बताया कि एजेंसी का बैकलॉग कम ही पेंडिंग हैं। छह लोड आ चुके हैं और दो लोड आने बाकी हैं।

आरटीआई में सूचना न देने का आरोप, आयुक्त से की शिकायत

पौड़ी(आरएनएस)। विकासखंड के ग्राम पंचायत बाड़ा निवासी एक ग्रामीण ने ग्राम पंचायत विकास अधिकारी पर आरटीआई के तहत निर्धारित समयसीमा में सूचना नहीं दिए जाने और खंड विकास अधिकारी पर भ्रामक सूचना दिए जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीण ने कहा कि अधिकारी आरटीआई का खुला उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक व दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।विकासखंड के बाड़ा गांव निवासी दिनेश चंद्र ने राज्य सूचना आयुक्त को एक शिकायती पत्र भेजा है जिसमें बताया कि उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत बीते 18 अगस्त 2025 को लोक सूचना अधिकारी एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी बाड़ा से ग्राम पंचायत में वर्ष 2015 से जुलाई 2025 तक संपन्न हुई खुली व मासिक बैठकों के कार्यवृत्त और पिछले 10 सालों में ग्राम पंचायत में अधिग्रहण योजनाओं की सूचना मांगी गई थी लेकिन उन्होंने तय समयसीमा में कोई सूचना प्रदान नहीं की। दिनेश चंद्र ने कहा कि राज्य सूचना आयुक्त को पत्र भेज उक्त दोनों अधिकारियों के खिलाफ दायित्वों का सही ढंग से पालन नहीं करने, सूचना अधिकार अधिनियम की मूल भावना के विरुद्ध काम किए जाने पर अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

बांध प्रभावित ग्रामीणों से जुटाएंगे जन समर्थन

नई टिहरी(आरएनएस)। बौराड़ी में बांध विस्थापित और प्रभावितों का निशुल्क बिजली, पानी दिए जाने की मांग को लेकर 12वें दिन भी धरना जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी ने कहा कि आंदोलन को तेज करने के लिए बांध प्रभावित विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों का जनसमर्थन जुटाया जाएगा। बौराड़ी के गणेश चौक में टिहरी बांध से मिलने वाले 12 प्रतिशत रॉयल्टी से बांध विस्थापित और प्रभावितों को निशुल्क बिजली पानी दिए जाने की मांग को लेकर संचालित पर बैठे लोगों ने निर्णय लिया की आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालों के माध्यम आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता भंडारी ने कहा कि टिहरी बांध से प्रभावित सभी विधानसभा के गांवों में जन जागरूकता अभियान चलाकर बिजली-पानी फ्री दिए जाने को लेकर समर्थन जुटाने का काम किया जाएगा। बताया गत मंगलवार को घनसाली और चमियाला के लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर उनकी मांगों का समर्थन किया। कहा कि टिहरी बांध के कारण टिहरी, प्रतापनगर, घनसाली विधानसभा सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं, इसके अलावा देवप्रयाग, नरेंद्रनगर और धनोल्टी विधानसभाओं के लोगों पर कहीं न कहीं इसका असर पड़ा है। बांध के कारण उत्तरकाशी जिले के भी कई गांव प्रभावित हुए हैं। इस मौके पर अजय पंवार, विकास पंवार, सरोजनी देवी, हंसदी देवी, दीपा देवी, शशि बहुगुणा, मोनिका चौहान, सोनी सजवाण, ऊषा रावत, सुंदरा राणा, जुम्मा रावत, सुधा रावत, रुकमा परमार, सीता उनियाल, साहब सिंह सजवाण, उम्मेद रावत आदि मौजूद थे।

पतंजलि गुरुकुलम, मूल्यागांव देवप्रयाग की बोर्ड परीक्षाएं शुरू

पौड़ी(आरएनएस)। पतंजलि गुरुकुलम, मूल्यागांव देवप्रयाग में कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। यह विद्यालय भारतीय शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। बोर्ड परीक्षा के शुभारंभ पर भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एनपी सिंह एवं गुरुकुल की प्रधानाचार्या साध्वी देवाश्रुति ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और एकाग्रता के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। आचार्य हनुमान साहिब ने कहा कि परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन गुरुकुल में यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गुरुकुल परिवार के सदस्यों ने भाग लिया और ईश्वर से विद्यार्थियों की सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

सूचना के अभाव में खाली रही राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई

नई टिहरी(आरएनएस)। राज्य महिला आयोग की ओर से आयोजित जनसुनवाई में सूचना के अभाव में फरियादी नहीं पहुंचे।

इस पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने हैरानी जताई। बाद में फोन पर संपर्क किए जाने के बाद केवल एक शिकायतकर्ता महिला ही सुनवाई के लिए पहुंच सकी। इसके अलावा महिला उत्पीड़न से संबंधित सात शिकायतें दर्ज की गई। राज्य महिला आयोग आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई थी जिसमें एक भी फरियादी नहीं पहुंचा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय गौरव ने बताया कि संभवत आयोग की ओर से शिकायतकर्ताओं को जनसुनवाई की सूचना दी गई होगी। इसके बाद उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी ने शिकायतकर्ताओं के फोन नंबर लेकर उनसे संपर्क किया।

अधिकांश शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें जनसुनवाई के संबंध में पहले से कोई सूचना नहीं मिली थी। फोन पर संपर्क के बाद एक महिला सुनवाई में पहुंची जिसने भी बताया कि उसे कार्यक्रम की जानकारी पहले नहीं दी गई थी। इस स्थिति पर उपाध्यक्ष रावत ने खेद जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य यह होता है कि महिलाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर संबंधित विभागों की मौजूदगी में किया जा सके। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं जब थाने में शिकायत लेकर जाती हैं तो पुलिस का दायित्व है कि उनकी बात को गंभीरता से सुना जाए।

बैठक में महिला आयोग की सदस्य सरोज बहुगुणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. आलोकराम त्रिपाठी, राजपाल मियां, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार, सदस्य निवेदिता पंवार मौजूद रहे।

गुस्सा उतारने के दो शानदार तरीके, बहुत लाइट फील करेंगे आप

किसी भी बात पर जब हमें बहुत तेज गुस्सा आ रहा होता है तब हम अपने मन की साड़ी भड़ास उस इंसान पर निकाल देना चाहते हैं, जिसके कारण हमारा मूड खराब हुआ होता है। जब ऐसा करना हमारे वश में होता है, तब तो हम ऐसा कर लेते हैं। लेकिन जब स्थिति हमारी पहुंच से बाहर होती है तो गुस्सा हमें अंदर ही अंदर परेशान करता रहता है। इस स्थिति से बचने के लिए क्या करना चाहिए ताकि हमारा अपना खून ना फूंके, यहां जानिए...

गुस्सा कंट्रोल ना कर पाने की स्थिति

हम सभी को गुस्सा आता है। किसी को जल्दी आता है तो कोई छोटी-मोटी बातों को अनदेखा कर देता है। लेकिन व्यक्ति कितना भी सहनशील क्यों ना हो, कई बार उसे ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जब अपने गुस्से पर काबू करना मुश्किल होता है।

-ऐसी स्थिति में यदि हम उस इंसान पर अपना गुस्सा नहीं निकाल पाते जिसके कारण हमारे मूड का कबाड़ा हुआ है तो हम अंदर ही अंदर घुटन महसूस करते रहते हैं। इससे हमारा फोकस दूसरे कामों पर भी नहीं बन पाता है। इसलिए जरूरी होता है कि हम अपने मन को हल्का करें।

-अपना गुस्सा निकालने का पहला तरीका

-अब बात आती है कि गुस्सा निकालना कैसे है। तो ऐसा कीजिए कि घर में ड्रेसिंग टेबल के सामने खड़े होइए और कांच में देखते हुए वो सब कह डालिए, जो आप उस व्यक्ति को उसके मुंह पर कहना चाहते हैं... जितना बोलना है और जैसा बोलना है...सब बोल डालिए। कुल मिलाकर भड़ास निकाल लीजिए...

-जब गुस्सा करते-करते थक जाएं तो एक गिलास ठंडा पानी पीजिए और फिर शांत होकर कुछ देर के लिए लेट जाइए। गहरी सांस लीजिए और मन को बांधने का प्रयास मत कीजिए। फिर 1० से 15 मिनट बाद जब आप उठेंगे तो खुद को बहुत लाइट और फ्रेश फील करेंगे।

गुस्सा उतारने का दूसरा तरीका

-जब हमें बहुत तेज गुस्सा आ रहा होता है और स्थितियां किसी भी तरीके से हमारे वश में नहीं होती हैं तो दिल और दिमाग को हल्का करने के लिए जरूरी होता है कि हम कुछ देर के लिए रो लें... जी हां, जानकर आपको थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह सच है कि मानसिक तनाव और दिल का भारीपन रोकर भी हल्का किया जा सकता है।

रोने से होते हैं ये फायदे

-जब हम खुलकर हंसने की तरह ही, जीभरकर रो लेते हैं तो हमारे अंदर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

-दिमाग की नसों में हल्कापन महसूस होता है और हम खुद को बहुत लाइट फील करते हैं। इसके बाद यदि कुछ देर आंखें बंद करके डीप ब्रीदिंग की जाए या कुछ समय अकेले बिताया जाए तो हम खुद को रीचार्ज फील करते हैं।

-ऐसे में पूरे मन और ऊर्जा के साथ नए तरीके से नया काम शुरू करना आसान हो जाता है। पुराने दर्द को हल्का करने और फिर धीरे-धीरे करके उस दर्द से बाहर आने में सहायता मिलती है।

शिशु में डायपर रैशेज से छुटकारा पाने के 6 असरदार घरेलू नुस्खे

शिशु में डायपर रैश होना आम बात है। शिशु के यौन अंगों पर लाल रंग के चकत्तों को डायपर रैशेज कहा जाता है। मल या पेशाब से जलन, किसी नए खाद्य पदार्थ या प्रोडक्ट, संवेदनशील त्वचा और ज्यादा टाइट डायपर पहनने की वजह से डायपर रैशेज हो सकते हैं।

बच्चों की स्किन बुहत सेंसिटिव होती है इसलिए कोई भी क्रीम का मेडिकल ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। आप डायपर रैशेज के घरेलू उपाय अपना सकती हैं, ये बहुत कारगर होते हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल में सैचुरेटेड फैट होता है जो शिशु की त्वचा को मुलायम और मॉइस्चराइज रखता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीवायरल गुण होते हैं जिससे रैशेज के इलाज में मदद मिलती है।

आधा चम्मच शुद्ध नारियल तेल लें और उसे हथेलियों पर लगाकर प्रभावित हिस्से की मालिश करें। दिन में दो से तीन बार इस नुस्खे को अपनाएं।

ओटमील

इसमें उच्च मात्रा में मौजूद प्रोटीन शिशु की त्वचा को मुलायम करता है। इसमें सैपोनिन नामक यौगिक भी होता है जो स्किन के रोमछिद्रों से धूल-मिट्टी और तेल को हटाता है। ओटमील के एंटी-इंफ्लामेट्री गुण डायपर रैशेज की वजह से होने वाली जलन और सूजन को भी दूर करता है।

एक चम्मच सूखे ओटमील को शिशु के नहाने के पानी में मिला दें। इस पानी में शिशु को 15 से 2० मिनट के लिए बैठाएं। अब शिशु को पानी से बाहर निकाल कर अच्छी तरह से पोंछ लें। ऐसा आपको दिन में दो बार करना है।

सेंधा नमक

सेंधा नमक में सूजन-रोधी गुण और उच्च मात्रा में मैग्नीशियम होता है। ये त्वचा की जलन और सूजन को कम करने में मदद करता है।

खाली पेट आपको क्या नहीं खाना चाहिए ?

भूख का असर ही ऐसा होता है कि हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमारा फोकस सिर्फ खाने पर होता है। लेकिन भूख की इस हालत में भी इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि आपको क्या नहीं खाना है... क्योंकि कुछ चीजें हेल्दी होते हुए भी खाली पेट खाने पर फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा सकती हैं। यहां जानें उन चीजों की डिटेल और परेशानी पहुंचाने के कारण...

खाली पेट और भूखे पेट में क्या अंतर होता है?

-ज्यादातर लोगों को खाली पेट की स्थिति को लेकर कंफ्यूजन होता है। आखिर खाली पेट कौन सी कंडीशन होती है...जब हमें बहुत तेज भूख लगी हो या जब हमने सुबह से कुछ नहीं खाया हो? बता दें खाली पेट का अर्थ आपके दिन की शुरुआत के फर्स्ट मील से होता है। यानी इससे पहले आपने कुछ नहीं खाया है।

इन फलों का ना करें सेवन

-अमरूद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं। यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरूद खाएंगे तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे तो यह फायदा देता है।

-अमरूद खाते समय मौसम के साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना होता है कि अमरूद खाने के बाद कभी भी पानी नहीं पीना चाहिए नहीं तो पेट दर्द या अपच की समस्या हो सकती है। हालांकि किसी भी फल को खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए।

-सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है। अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है। लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं। इस वक्त आपको इस बात का खास ध्यान रखना होगा कि आपके पेट और सीने पर तेज

जलन ना हो रही हो।

-मौसम वाली कंडीशन दही पर भी अप्लाई होती है। ठंड के मौसम में खाली पेट दही बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। लेकिन गर्मी के मौसम में आप ऐसा कर सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि खाली पेट दही खाने से नींद आती है या बीपी लो हो जाता है। तो आप पूरी तरह सही नहीं है।

क्या है पूरी बात?

-इस बारे में हम कहना चाहेंगे कि गर्मी के मौसम में खाली पेट दही खाने के बाद अगर किसी को बीपी लो की दिक्कत हो रही है तो इसका अर्थ यह है कि उनका बीपी पहले से ही लो था और दही खाने के बाद यह समस्या उभरकर सामने आ गई है। वहीं अगर किसी को दही खाने के बाद नींद आ रही है तो इसका अर्थ है कि उनका पाचनतंत्र बहुत धीमे काम कर रहा है और पाचन क्रिया सही नहीं है।

टमाटर से जुडे फैक्ट्स

-जहां तक बात खाली पेट टमाटर खाने की है तो टमाटर तासीर से गर्म होता है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

-सर्दी के मौसम में हर रोज खाली पेट टमाटर खाने या टमाटर का जूस पीने से बहुत अधिक बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए जरूरत होने पर या कभी-कभी टेस्ट चेंज करने के लिए तो आप खाली पेट टमाटर खा सकते हैं या इसका सूप, जूस पी सकते हैं। लेकिन इसका नियम ना बनाएं।

मौसम के हिसाब से बदल जाती है कंडीशन

-मौसम के हिसाब से कंडीशन बदल जाती है। जैसे जाड़ों के दिनों में इन्हें नहीं खाना चाहिए तो ये नुकसान देंगे। दरअसल, हमारा पाचन क्रिया अम्ल और क्षार यानी एसिड और बेस पर आधारित होती है। साइट्रिक फ्रूट का स्वभाविक गुण शीतलता है। और सर्दियों में इसे खाली पेट खाने से हमें अपर रेस्पाइरेट्री टैक्ट की बीमारियां हो सकती हैं। जैसे, सूखी खांसी, जुकाम, गले में दर्द आदि।

शब्द सामर्थ्य -070

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

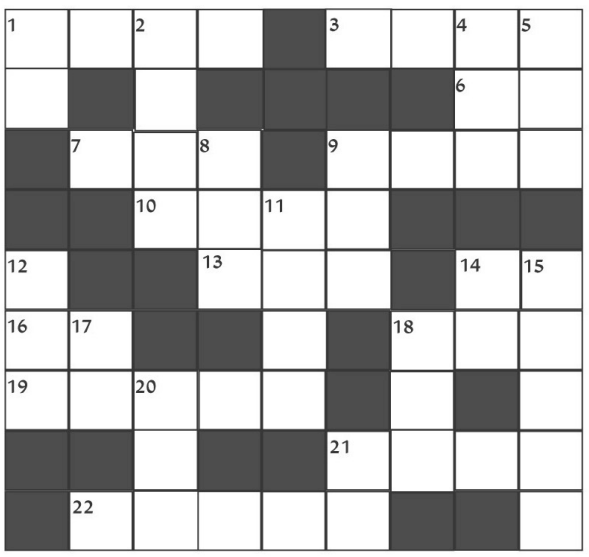

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

ज	दोदो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

डांस अक्रॉस द वर्ल्ड दे रहा लोकनृत्य को नया मंच, रूस की परंपराएं से रुबरु कराएंगी शक्ति मोहन

आज के दौर में, जब ग्लोबलाइजेशन के नाम पर लोककलाएं और पारंपरिक नृत्य धीरे-धीरे हाशिए पर जाते दिख रहे हैं, ऐसे समय में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो इन्हें दुनिया के सामने नए अंदाज में पेश कर रहे हैं। इसी सोच और जुनून के साथ भारतीय डांस जगत की जानी-मानी कलाकार शक्ति मोहन अपने खास यूट्यूब प्रोजेक्ट डांस अक्रॉस द वर्ल्ड के जरिए एक वैश्विक सांस्कृतिक सफर पर निकली हैं। उनका यह सफर सिर्फ देशों की सीमाएं पार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अलग-अलग सभ्यताओं को समझने और उन्हें आज की युवा पीढ़ी से जोड़ने की कोशिश भी है। हाल ही में शक्ति मोहन ने डांस अक्रॉस द वर्ल्ड का नया एपिसोड लॉन्च किया, जिसमें वह रूस की समृद्ध और शक्तिशाली लोकनृत्य परंपराओं को एक्सप्लोर करती नजर आईं। इस खास एपिसोड की लॉन्चिंग में उनके करीबी दोस्त, परिवार और इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनके इस विजन की खुलकर तारीफ की।

डांस अक्रॉस द वर्ल्ड को शक्ति मोहन ने ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और कहा, मैं इसके जरिए हजारों साल पुरानी लोकनृत्य शैलियों को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती हूं। इस शो का पहला सीजन कई देशों की यात्रा पर आधारित रहा, जहां मैंने अलग-अलग संस्कृतियों के पारंपरिक नृत्यों को न सिर्फ सीखा, बल्कि उन्हें दर्शकों के सामने पेश भी किया।

शक्ति मोहन ने कहा, दुनिया में कई ऐसी नृत्य परंपराएं हैं, जो बेहद सुंदर होने के बावजूद धीरे-धीरे गुमनाम होती जा रही हैं। इन कला रूपों को बचाने के लिए जरूरी है कि उन्हें आज के युवाओं के सामने इस तरह पेश किया जाए, जिससे वे उनसे जुड़ाव महसूस करें। मेरे लिए यह शो दिल के बेहद करीब है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे अपने दो सबसे बड़े प्यार, यानी ट्रैवल और डांस, को एक साथ जीने का मौका मिल रहा है।

रूस के लोकनृत्य को शक्ति मोहन ने अपने करियर के सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक बताया। उन्होंने कहा, रूसी डांस अपनी तकनीक, गति और भाव-भंगिमा के मामले में बेहद अनोखा है। एक भारतीय डांसर के तौर पर मुझे यह बेहद खास लगा। मुझे भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैली पसंद है, जिसमें पैरों की जटिल थाप और सटीक मुद्राओं का अहम रोल होता है, जबकि रूसी डांस की भाषा बिल्कुल अलग है। इसी वजह से इसे कम समय में सीखना और मंच पर उतारना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा, रूस में मुझे लोगों का अपनापन सबसे ज्यादा यादगार रहा। वहां की एक रूसी कोरियोग्राफर मेरी मेहनत और समर्पण से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने मुझे पारंपरिक हेडगियर गिफ्ट किया। यह तोहफा मेरे लिए दो संस्कृतियों के बीच बने सम्मान और जुड़ाव का प्रतीक है। भले ही भारतीय और रूसी डांस की शैलियां अलग हों, लेकिन उनमें खूबसूरत फ्यूजन की संभावनाएं मौजूद हैं।

गैंगस्टर बनकर नानी ने उड़ाया गर्दा, रिलीज हुआ फिल्म ब्लडी रोमियो का टीजर

साउथ के सुपरस्टार नानी आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन पर एक धमाकेदार ऐलान हुआ। उन्हें डायरेक्टर सुजीत की नई फिल्म ब्लडी रोमियो में लीड रोल मिला है। फिल्म का स्टाइलिश एनिमेटेड टीजर रिलीज हुआ, जिसमें नानी एक तेज-तर्रार नंबर वन गैंगस्टर के रूप में दिखे। नानी और विजय देवरकोंडा की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होने वाली है। दोनों की गैंगस्टर ड्रामा फिल्में क्रिसमस के आसपास रिलीज हो सकती हैं। नानी की ब्लडी रोमियो क्रिसमस 2026 में आएगी, जबकि विजय की राउडी जनाधारणा भी उसी समय आने की संभावना है।

ब्लडी रोमियो का यह 1०8 सेकंड का वीडियो देखते ही बनता है. नानी का इंटेंस लुक, ब्लैक आउटफिट में बंदूक थामे, चारों ओर तबाही का मंजर, जैसे कोई एक्शन हीरो स्ट्रीट्स पर तहलका मचा रहा हो. वीडियो में एनिमेटेड स्टाइलिश ग्लिम्प्स है, जहां नानी एक ऐसे कैरेक्टर में हैं जो बाहर से शांत-रोमांटिक दिखता है लेकिन अंदर से खतरनाक गैंगस्टर है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में नानी एक गैंगस्टर का रोल प्ले कर रहे हैं जो शेफ के भेष में रहता है. किचन टू स्ट्रीट्स वाली लाइन इसी कॉन्सेप्ट को हाईलाइट करती है, जहां किचन की गर्मी (खाने की) से लेकर गलियों की गर्मी (एक्शन-गैंगवार) तक सब कुछ है. साहो और ओजी जैसी बड़ी फिल्में बना चुके सुजीत इस प्रोजेक्ट को पैन-इंडियन लेवल पर ले जा रहे हैं. फिल्म का टाइटल ब्लडी रोमियो है. यह नानी की 34वीं फिल्म है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

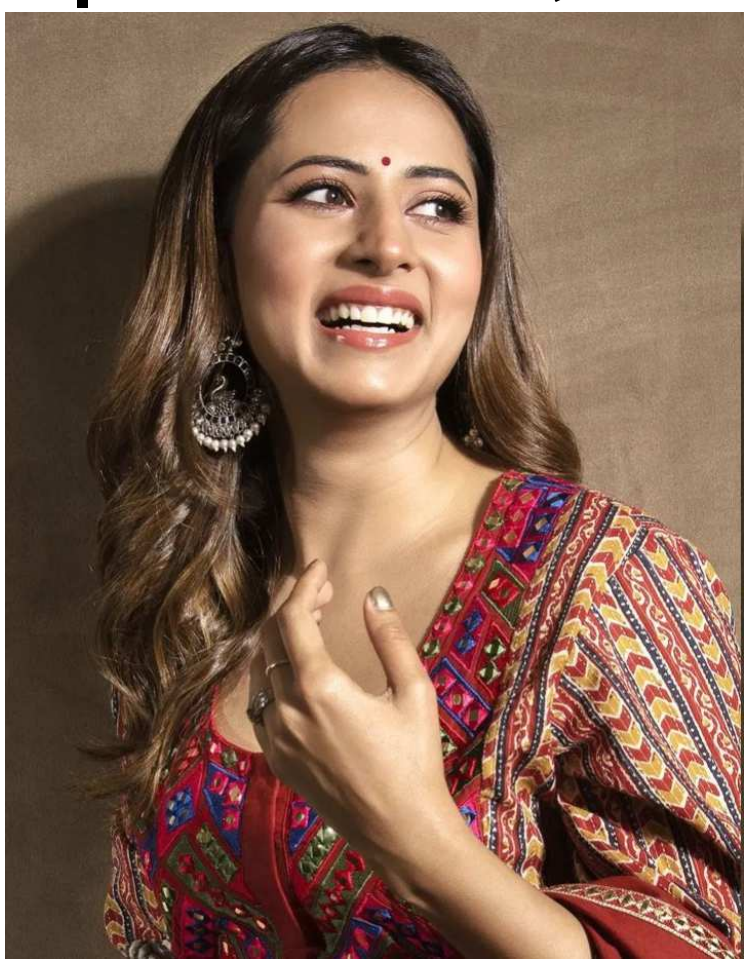

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?

अभिनत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके।

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है। सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी थी।

द पैराडाइज़ का गाना आया शेर रिलीज़, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

द पैराडाइज़ के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफ़ा दिया है, जिसका बहुत इंतज़ार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज़ हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 196० के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक ज़बरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मज़बूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ़ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े-से-बड़े पलों का आनंद लेते हैं।

अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर-पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर-पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड-अप को दिखाते हैं। यह गाना मज़बूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है।

मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस ज़माने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज़ की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज़्यादा इंटेंस और मैसी ज़ोन में दिखाते हैं। विजुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं। श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं। अब इसकी रिलीज़ 21 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, और फिल्म एक ग्रैंड मल्टीलिंगुअल लॉन्च के लिए तैयार है। आया शेर को मिले ज़बरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, द पैराडाइज़ को लेकर हाइप एक नए लेवल पर पहुँच गई है।

सीएलजी बैठक में किरायेदार सत्यापन, नशा उन्मूलन और साइबर अपराध पर दी जानकारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। थाना लमगड़ा में बुधवार को सीएलजी सदस्यों के साथ बैठक आयोजित कर पुलिस ने किरायेदार सत्यापन, नशा उन्मूलन और साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर लोगों को जागरूक किया। थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने थाना परिसर में आयोजित बैठक में कहा कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किरायेदारों, बाहरी व्यक्तियों और घरेलू नौकरों का पुलिस सत्यापन कराना आवश्यक है। इससे संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए समाज से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने की अपील की। साथ ही किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा। बैठक में साइबर अपराधों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस ने सलाह दी कि अनजान कॉल, लिंक या संदेश पर भरोसा न करें और अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी या एटीएम पिन किसी के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत 193० हेल्पलाइन या नजदीकी थाने में सूचना देने की अपील की गई। पुलिस ने सीएलजी सदस्यों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सहयोग बढ़ाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का अनुरोध किया।

17 मार्च को त्रयोदशी पर होगा वारुणी यात्रा का आयोजन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। वरुणावत पर्वत की वारुणी यात्रा का आयोजन इस बार 17 मार्च को चैत्र मास की त्रयोदशी पर होगी। हर साल पंचकोसी वारुणी यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु वरुणावत पर्वत की परिक्रमा करने के बाद पुण्य अर्जित करते हैं। वारुणी यात्रा में जनपद ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। पंचकोसी वारुणी यात्रा का आयोजन बनारस की काशी के तरह प्राचीन काल से की जाती है। बड़ेथी से शुरू होने वाली यात्रा का विशेष महत्व है। श्रद्धालु बडेथी में वारुणा और गंगा में स्नान करने के बाद बसुंगा, साल्ड, ज्ञाणजा, शिखरेश्वर होते हुए संग्राली, पाटा, गंगोरी में पहुंचते हैं जो एक दिन में पूरी होती है। संग्राली गांव के आचार्य दिवाकर नैथानी और ज्ञाणजा गांव के पंडित शिव प्रसाद भट्ट ने बताया कि यात्रा से मनोकामना की पूर्ति के साथ ही 33 कोटी देवी देवताओं की पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में वरुणा व भागीरथी के संगम पर स्नान के बाद खरवां, कवां, भराणगांव, ऊपरीकोट, मंदणभित्ती, गजोली, संगमचट्टी होते हुए गंगोरी में असी गंगा व भागीरथी के संगम पर स्नान के साथ वृहद पंचकोसी यात्रा संपन्न होती थी। तीन दिन की इस दुर्गम यात्रा में अधिकांशत: साधु संन्यासी ही जाते थे। अब एक दिन में यह यात्रा होती है जिसमें हर आयुवर्ग के लोग शामिल होते हैं।

सू- दोकू क्र.070

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.69का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

कुंभ मेला 2027 की तैयारियां तेज: गंगा की स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष फोकस

हरिद्वार(आरएनएस)। आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने जा रहे कुंभ मेले में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन द्वारा गंगा की निर्मलता और मेला क्षेत्र की स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका की पहल पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को कुंभ क्षेत्र का भ्रमण किया। टीम ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन तथा बेहतर सैनिटेशन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपायों पर मेला प्रशासन के साथ विस्तार से विचार-मंथन किया। विशेषज्ञों की टीम ने इस संबंध में नई तकनीकों, विभिन्न अध्ययनों तथा प्रयागराज कुंभ के अनुभवों को भी मेला प्रशासन के साथ साझा किया। एनएमसीजी की टीम ने मेला प्रशासन, नगर निगम एवं पेयजल निगम के अधिकारियों के साथ हरकी पैड़ी, बैरागी कैंप, दक्ष द्वीप, कनखल, नीलधारा, गौरीशंकर आदि क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान आगामी कुंभ मेले के दौरान इन क्षेत्रों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा प्रस्तावित कार्यों की पड़ताल की गई। कुंभ क्षेत्र के भ्रमण के बाद एनएमसीजी की टीम ने मेलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में मेला प्रशासन तथा सैनिटेशन एवं सीवरेज प्रबंधन से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर मेलाधिकारी ने कहा कि गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान कूड़ा एवं सीवरेज प्रबंधन की पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना मेला प्रशासन के सामने एक प्रमुख चुनौती है।

उन्होंने यह भी कहा कि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए पर्याप्त और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुंभ मेले में स्वच्छता, सुगमता और सुरक्षा मेला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं, जिसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

मेलाधिकारी ने एनएमसीजी की टीम से कुंभ मेले के दौरान सैनिटेशन एवं सीवरेज प्रबंधन की चुनौतियों से निपटने के प्रभावी उपाय सुझाने की अपेक्षा करते हुए कहा कि इसके लिए उपलब्ध आंकड़ों, वर्तमान सुविधाओं तथा मुख्य स्नान पर्वों के दौरान संभावित श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं का सटीक आकलन किया जाना आवश्यक है। इसके आधार पर सभी आवश्यक उपायों को लागू करने के लिए साझा रणनीति तैयार की जाएगी।

बैठक में कुंभ मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समग्र कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मेला प्रशासन द्वारा प्रस्तावित व्यवस्थाओं के अंतर्गत कचरा संग्रहण, पृथक्करण, निस्तारण, अस्थायी शौचालयों की स्थापना, सीवरेज प्रबंधन, सेप्टेज प्रबंधन तथा घाटों और मेला क्षेत्र की नियमित सफाई से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

अधिकारियों ने इस दौरान इस बात पर विशेष बल दिया कि कुंभ मेले के दौरान गंगा की अविरलता और निर्मलता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ व्यवस्थाएं विकसित की जाएं। इसके लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान, कचरा संग्रहण केंद्र, अपशिष्ट परिवहन व्यवस्था तथा अस्थायी शिविर स्थलों में अपशिष्ट निस्तारण के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसी क्रम में ०6 एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना भी प्रस्तावित की गई है। इस दौरान एनएमसीजी के विशेषज्ञों की टीम में टेरी के स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रो. शलीन सिंघल, होकाईडो यूनिवर्सिटी (जापान) के प्रो. राम अवतार, आईआईटी बीएचयू के रिसर्च एसोसिएट डॉ. तरुण यादव, स्टेट मिशन फॉर क्लीन गंगा उत्तराखंड के आरबीएम डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव, नगर निगम हरिद्वार के आयुक्त नंदन सिंह, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह गिल तथा पेयजल निगम की परियोजना प्रबंधक (गंगा) मीनाक्षी मित्तल वशिष्ठ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा से पहले पार्किंग तैयार, जाम से मिलेगी मुक्ति

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर पंचायत में शिव मंदिर के समीप पौने तीन करोड़ की लागत से बन रही सरफेस वाहन पार्किंग का इस वर्ष चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा। पार्किंग लगभग बनकर तैयार है और अब हैंडओवर होना बाकी है। इससे नौगांव में लंबे समय से बनी जाम की समस्या से भी यात्रियों को इस बार निजात मिलने की उम्मीद है। मुख्य बाजार से 5० मीटर की दूरी पर स्थित वाहन पार्किंग में 6० से 7० वाहनों के पार्क की व्यवस्था है।

कार्यदायी संस्था लोनिवि बड़कोट चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले वाहन पार्किंग नगर पंचायत को हैंड ओवर कर देगी जिसका नगर पंचायत अपनी आय बढ़ाने के लिए निर्धारित शुल्क पर संचालन करेगी। नगर पंचायत में पार्किंग की सुविधा नहीं होने से चारधाम यात्रा के दौरान लोगों को जाम से जूझना पड़ता है जिसका व्यापारियों के व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। पार्किंग की सुविधा न होने से यात्री भी रुकना पसंद नहीं करते। ऐसे में पार्किंग तैयार होने पर नौगांव में यात्रियों के ठहरने की उम्मीद की जा रही है जिससे यात्रा कारोबार में वृद्धि हो सकती है। अधिशासी अधिकारी शिवानी रावत का कहना है कि पार्किंग अभी नगर पंचायत को हैंड ओवर नहीं हुई है। हैंड ओवर होने पर नगर पंचायत द्वारा निविदा के माध्यम से शुल्क निर्धारित कर पार्किंग का संचालन करेगी जिससे नगर पंचायत की आय में बढ़ोत्तरी होगी।

चारधाम यात्रा से पहले पूरे हों निर्माण कार्य, हिल बाईपास से मलबा जल्दी हटाओ

हरिद्वार(आरएनएस)। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बुधवार को हिल बाईपास मार्ग और मां मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने लोक निर्माण और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले सभी निर्माण कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। कार्यों में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किए जाएं। डीएम ने हिल बाईपास मार्ग पर पड़े मलबे को जल्द हटाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान इस मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग गुजरते हैं। रास्ते को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्लाइडिंग जोन का भी जायजा लिया। वहां सुरक्षा दीवार का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वन विभाग को पहाड़ी क्षेत्र में मिट्टी के कटाव रोकने के लिए बांस और घास लगाने के लिए कहा गया ताकि भविष्य में भूस्खलन की आशंका को कम किया जा सके।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही सामने नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने मां मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर साफ-सफाई बनाए रखने के साथ प्रवेश द्वार के आसपास दोपहिया वाहन खड़े न होने देने के निर्देश भी दिए ताकि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता दीपक वर्मा, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ओमजी गुप्ता, राजाजी नेशनल पार्क के वार्डन अजय लिंगवाल, अपर सहायक अभियंता सुनील कुमार, प्रवेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा बजट सत्र में प्रतिभाग हेतु प्रस्थान करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मासिक अपराध गोष्ठी: एसपी द्वारा आगामी चारधाम यात्रा के सरल, सुरक्षित व बेहतर संचालन के दिए निर्देश

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमलेश उपाध्याय ने मासिक अपराध गोष्ठी में अधिकारियों को आगामी चारधाम यात्रा के सरल, सुरक्षित व बेहतर संचालन के निर्देश दिये।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा पुलिस लाइन ज्ञानसू में अधीनस्थ पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की क्राईम मीटिंग/मासिक सैनिक सम्मेलन लेकर नशा उन्मूलन तथा अपराध नियत्रंण के जरुरी निर्देश दिये गये। सैनिक सम्मेलन में उनके द्वारा सर्वप्रथम पुलिस अधिकारी व कर्मियों की विभागीय / निजी समस्याओं को सुनते हुये उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने के साथ विगत माह में कर्मियों द्वारा रखी समस्याओं पर हुयी कार्यवाहियों की समीक्षा की गयी। माह फरवरी 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले निम्न 20 पुलिस अधिकारी व कर्मियों को "मैन ऑफ द मंथ" घोषित करते हुये प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसआई भूपेंद्र रावत (कोतवाली बड़कोट), एसआई शशि राणा (कोतवाली धरासू), हैडकांस्टेबल प्रशान्त राणा (कोतवाली धरासू), हैडकांस्टेबल शिव चरण (कोतवाली धरासू), हैडकांस्टेबल विजय सिंह (कोतवाली धरासू), हैडकांस्टेबल मदन (यातायात पुलिस), हैडकांस्टेबल जितेन्द्र(चारधाम सैल), हैडकांस्टेबल अभिलाष चित्राण(यातायात पुलिस), प्रवीन नेगी (कोतवाली बडकोट), विनोद (सीसीटीवी कंट्रोल रुम), विरेन्द्र नवाल (पुलिस लाइन), अखिलेश प्रताप (पुलिस कार्यालय), चैन सिंह (पुलिस कार्यालय), गब्बर सिंह (पुलिस कार्यालय), यशपाल(पुलिस कार्यालय), प्रेम कुमार(कोतवाली उत्तरकाशी), महिला आरक्षी कविता (कोतवाली बडकोट), महिला आरक्षी पूजा कलूड़ा(सीसीटीवी कंट्रोल रुम), महिला आरक्षी अंजू(महिला हेल्पलाइन), ऑपरेटर लक्ष्मी प्रसाद चमोली(पुलिस दूरसंचार) को सम्मानित किया।

एमपी का नाबालिग पहुंचा लक्ष्मणझूला, पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द किया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मध्यप्रदेश का नाबालिग बालक भटकते हुए लक्ष्मणझूला पहुंच गया। पुलिस ने उसे अपने संरक्षण में लेकर उसे उसके परिजनो की सुपुर्दगी में दे दिया है। जानकारी के अनुसार बीती शाम प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला, सूर्यभूषण नेगी के नेतृत्व में लक्ष्मणझूला पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत व्यापक स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं सत्यापन करने के क्रम में पुलिस टीम को एक बालक संदिग्ध अवस्था में अकेले घूमता हुआ दिखाई दिया। बालक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम द्वारा उसे तत्काल संरक्षण में लेकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान बालक ने बताया कि उसका नाम सोनू (काल्पनिक नाम) निवासी ब्यावरा गुना, मध्य प्रदेश का रहने वाला है। नाबालिग की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस टीम द्वारा बालक को अपने संरक्षण में लिया गया। तथा बालक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल थाना ब्यावरा, जिला राजगढ़ (मध्य प्रदेश) पुलिस से संपर्क स्थापित किया गया। संबंधित थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त बालक के संबंध में उसके परिजनों द्वारा दिनांक 11 मार्च को थाना ब्यावरा में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बताया जा रहा है कि बालक 10 मार्च को सुबह घर से हॉस्पिटल जाने के लिए निकला था, किंतु वह न तो वहां पहुँचा और न ही वापस घर लौटा। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद बालक का कोई पता नहीं चल पाया। लक्ष्मणझूला पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही कर थाना ब्यावरा पुलिस से संपर्क कर आवश्यक विवरण एवं बालक के परिजनों से संपर्क कर बालक के मिलने की सूचना दी गई। जिसके पश्चात बालक की माता तथा मध्य प्रदेश पुलिस के हे.का. प्रेम नारायण सिंह कोतवाली लक्ष्मणझूला में उपस्थित हुए। इसके उपरांत कोतवाली लक्ष्मणझूला पुलिस द्वारा बालक एवं उसके परिजनों की काउंसलिंग कर बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का सख्ती से हो निस्तारण:डीएम

संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सीएम हैल्पलाइ पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

आज यहां जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित शिकायतों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जन शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके माध्यम से आम जनता सीधे अपनी समस्याएं शासन तक पहुंचाती है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इस पोर्टल पर दर्ज प्रत्येक शिकायत का निस्तारण गंभीरता के साथ किया जाए और शिकायतकर्ता को संतोषजनक समाधान प्रदान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों के पास 10 से अधिक शिकायते निष्कीठारंग हेतु लंबित है वह शिकायतों का 03 के भीतर शिकायतों का निस्तारण करना निश्चित करे। उन्होंने विशेषकर पुलिस विभाग,नगर निगम, यूपीसीएल, भू अभिलेख, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उत्तराखंड पेयजल निगम, राजस्व विभाग, आयुर्वेदिक, नगर पालिका एवं नगर पंचायत, जल संस्थान, सिंचाई आदि विभागों को लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभागवार शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की मॉनिटरिंग करें और लंबित शिकायतों की स्थिति की जानकारी रखें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता के रूप में न करें, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत देने का प्रयास करें। बैठक के दौरान यूपीसीएल विभाग से संबंधित शिकायतों पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने यूपीसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्तरों पर कॉलिंग कर शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित किया जाए और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक के अंत में 36 दिन से लंबित शिकायतो कि समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि एल 1 पर 429 तथा एल 2 पर 103 शिकायतें अभी भी निस्तारण हेतु लंबित है,जिन्हें तत्परता से निष्जिठारन करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि 15 दिन के भीतर दर्ज शिकायतों का हर हाल में निस्तारण करना सुनिश्चित करे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा,सचिव एचआरडीए मनीष कुमार,उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार,उप जिलाधिकारी रुड़की अनिल कुमार शुक्ला,जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश,सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल,नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी,खंड विकास अधिकारी, ईओ नगर पालिका,नगर पंचायत ,सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'संभावित पेयजल संकट क्षेत्रों के लिए करें अग्रिम तैयारी'

संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने गर्मियों से पहले पेयजल व्यवस्थाओं पर अधिकारियों को निर्देश दिये कि सम्भावित संकट क्षेत्रों के लिए अग्रिम तैयारी कर ले।

आज यहां गर्मी के मौसम से पूर्व जनपद में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने और संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जल संस्थान, जल निगम तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनता को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो पेयजल योजनाएं अपने अंतिम चरण में हैं, उन्हें युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इनका लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि उन्हें अपनी-अपनी योजनाओं की प्रगति की पूरी जानकारी होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान पेयजल योजनाओं के हस्तांतरण की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं की औपचारिकताएं अभी शेष हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए। विशेष रूप से ग्राम सभाओं को हस्तांतरित की जाने वाली योजनाओं के संबंध में उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के साथ बैठक कर पारदर्शिता के साथ पूरी प्रक्रिया संपन्न की जाए, ताकि योजनाओं के संचालन में स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हित करने और वहां पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पानी की कमी की स्थिति उत्पन्न होती है, वहां टैंकरों तथा अन्य वैकल्पिक माध्यमों की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत राहत उपलब्ध कराई जा सके।

शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए, जहां पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती रहे और प्राप्त शिकायतों का तत्काल समाधान किया जा सके। उन्होंने जिला पंचायतीराज अधिकारी (डीपीआरओ) को निर्देशित किया कि वे सभी ग्राम प्रधानों से नियमित संवाद स्थापित करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गांव में पेयजल की उपलब्धता की स्थिति की निगरानी हो रही है। यदि कहीं भी समस्या सामने आती है तो संबंधित विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर उसका समाधान करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि वे कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर योजनाओं और जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें। उन्होंने दोहराया कि ग्रीष्मकाल के दौरान किसी भी नागरिक को पेयजल के लिए परेशान नहीं होना चाहिए।

उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहनाः सीएम धामी

संवाददाता

भराड़ीसैंण (गैरसैंण)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में कहा कि उत्तराखण्ड को हाल के वर्षों में वित्तीय प्रबंधन, राजकोषीय अनुशासन तथा सुशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी वित्तीय नीतियों, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि के साथ किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

भराड़ीसैण (गैरसैण) में विधानसभा सत्र में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में नीति आयोग द्वारा प्रकाशित फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 (रिपोर्ट 2023-24) में उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई है। इस रिपोर्ट में उत्तराखण्ड को उत्तर-पूर्वी एवं हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि राज्य की राजस्व वृद्धि, व्यय की गुणवत्ता में सुधार, घाटा प्रबंधन तथा ऋण प्रबंधन में अपनाई गई सुदृढ़ नीतियों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय अनुशासन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है। अरुण जेटली फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिपोर्ट में भी उत्तराखण्ड को विशेष दर्जा प्राप्त हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मजबूत वित्तीय व्यवस्था और उत्तरदायी शासन प्रणाली को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि महालेखाकार से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड सरकार ने Fiscal Responsibility and Budget Management Act (FRBM) में निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन किया है। राज्य ने राजस्व अधिशेष (Revenue Surplus) की स्थिति को बनाए रखा है तथा राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) की निर्धारित सीमा के भीतर रखा गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखण्ड को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाते हुए विकास की गति को तेज करना है। इसके लिए सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, सामाजिक क्षेत्र तथा रोजगार सृजन से जुड़े क्षेत्रों में संतुलित निवेश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए उत्तराखण्ड को आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उत्तराखंड में बढ़ने लगी चुनावी 'सरगर्मी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में भाजपा और कांग्रेस की गतिविधियां तेज हो गई हैं। एक ओर भाजपा जहां तेज गति से अभी से चुनावी गतिविधियों में जुट गई है वहीं कांग्रेस भी चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। गैरसैंण में बजट सत्र के बाद राजनीतिक गलियारों में गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

उत्तराखंड में चुनावी सरगर्मी बढ़ती दिखाई दे रही है, बीजेपी जहां संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतर चुकी है तो वहीं कांग्रेस भी अपनी तैयारियों को गति देने की कोशिश में लगी है। पार्टियों के बड़े नेताओं की मौजूदगी, संगठनात्मक गतिविधियों और राजनीतिक कार्यक्रमों को देखें तो दोनों दलों सक्रिय हो गये हैं। प्रदेश में जहां बीजेपी अपनी मौजूदा सरकार के चार साल पूरे होने का जश्न मनाने की तैयारी में जुटी हुई है और इसे चुनावी हवा तैयार करने की दिशा में कार्य कर रही है।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027:
●भाजपा और कांग्रेस चुनावी मोड में
●पार्टियों के बड़े नेताओं के दौरे शुरु

दरअसल, वर्तमान सरकार को 23 मार्च को चार साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में सरकार अपनी उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार अभियान चलाने की तैयारी कर रही है। विभिन्न जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें सरकार के चार साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया जा रहा है। भाजपा इसे पूर्ण रूप से भूनाने के मूड में है। वही कांग्रेस प्रदेश स्तर पर कुछ सक्रिय जरूर दिख रही है, लेकिन पार्टी अभी तक चुनावी मोड में नजर नहीं आ रही है और संगठनात्मक गतिविधियों की रफ्तार बीजेपी की तुलना में काफी धीमी दिखाई देती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सक्रिय हैं, लेकिन पार्टी अभी तक चुनावी मोड में कम दिख रही है।

ऑपरेशन कालनेमिः 16 संदिग्ध गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आपरेशन कालनेमि के तहत चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 16 बहरूपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनका आपराधिक इतिहास पता करने लिए पुलिस अब उनके फिंगर प्रिंट लेकर अग्रिम कार्यवाही कर रही है। जानकारी के अनुसार आज सुबह नगर कोतवाली पुलिस ने हरकीपैडी के आसपास के घाटों पर सघन चैकिंग अभियान चलाया गया जिसमें धर्म की आड़ में धोखाधड़ी करने वाले, बिना पहचान पत्र के रहने वाले तथा संदिग्ध लग रहे 16 व्यक्तियों को 'ऑपरेशन कालनेमि के तहत धारा- 172(2) बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तार व्यक्तियो का आपराधिक इतिहास पता लगाने हेतु फ्रिंगर प्रिन्ट लेकर कार्यवाही की जा रही है।

दो कुख्यात गिरफ्तार, तीन तमंचें व 10 कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। हत्या के प्रयास के 6 मामलों में फरार चल रहे दो कुख्यातों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से तीन तमंचे व 10 कारतूस बरामद किये गये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखण्ड-उत्तर प्रदेश में सक्रिय गैंग का नेटवर्क ध्वस्त करने में एसटीएफ को सफलता प्राप्त हुई है। एसटीएफ व थाना रूद्रपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए दो शातिर अपराधियों को तीन तमंचे व 10 कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके नाम जितेन्द्र वीरत चौधरी पुत्र रामचन्द्र चौधरी निवासी सुभाषनगर डिबडिबा, थाना बिलासपुर, जिला रामपुर (उ.प्र.) व सुमित राठौर

●गिरफ्तार आरोपियों पर है हत्या के प्रयास के 6 मुकदमें दर्ज

पुत्र जसवन्त सिंह निवासी आजादनगर, थाना ट्रांजिट कैम्प, जनपद ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) बताये जा रहे है। एसएसपी एसटीएफ द्वारा बताया गया कि यूपी-उत्तराखण्ड बॉर्डर पर सक्रिय दो आपराधिक गैंगों का नेटवर्क ध्वस्त किया गया। कुमायूँ क्षेत्र में संभावित कई बड़ी आपराधिक वारदातों को समय रहते विफल किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिन पर दोनों राज्यों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान अवैध हथियारों की सप्लाई चेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग भी हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर आगे भी बड़ी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिए गये हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कमीः इंदिरा कैंटीन पर लंच और डिनर सप्लाई बाधित

प्रतिनिधि

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में कुल 180 इंदिरा कैंटीन हैं, जिसे राज्य सरकार चला रही है। इन कैंटीन के जरिए 5 रुपये में नाश्ता और 10 रुपये में दोपहर का खाना और शाम का डिनर मिलता है। इन 180 कैंटीन को सप्लाई करने के लिए 12 सेंट्रल किचन बनाए गए हैं। मलेश्वरम में स्थित इंदिरा किचन से 20 इंदिरा कैंटीन को सप्लाई की जाती है। दो से तीन दिन पहले तक यहां से ब्रेकफास्ट लंच और डिनर सप्लाई होता था लेकिन अब सिर्फ ब्रेकफास्ट सप्लाई हो रहा है।

❑पहले तीनों समय मिलता था खाना, अब सिर्फ नाश्ते की सप्लाई

बता दें कि मलेश्वरम के इंदिरा किचन से 4 हजार प्लेट ब्रेकफास्ट, 4 हजार प्लेट लंच और 1 हजार प्लेट डिनर के लिए भोजन सप्लाई होता है। लेकिन अब सिलेंडर की कमी की वजह से लंच और डिनर पूरी तरह कट कर दिया गया है। साथ ही, ब्रेकफास्ट के मेन्यू में भी जबरदस्त कटौती हुई है। पहले ब्रेकफास्ट में इडली-सांबर, पुलाव-चटनी और राइस आइटम मिलते थे लेकिन अब गैस सिलेंडर की कमी की वजह से सिर्फ एक राइस आइटम ही बनाया जा रहा है। जिसकी वजह से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

गौरतलब है कि ईंधन की कथित कमी की खबरों के बीच गुरुवार को देशभर में लोग पेट्रोल पंपों और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर्स के बाहर लंबी लाइनों में खड़े नजर आए, जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ स्कूलों, खाने-पीने की सेवाओं और रेस्तरां का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने संसद में कहा कि मिडिल-ईस्ट एशिया में संकट के बावजूद पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की कोई कमी नहीं है। यह अफवाहों को फैलाने का समय नहीं है।

इस दौरान, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों पर भी पुलिस की कड़ी नजर है। लगातार छापेमारी चल रही है और ऐसा करने वालों पर एक्शन लिया जा रहा है। जो लोग गैस सिलेंडर स्टॉक करके पैनिक फैलाने की कोशिश कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।